हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्यः रु. - 2/-

वर्षः 1 | अंकः 30 | पृष्ठः 8 | शुक्रवार 03 दिसंबर से 09 दिसंबर 2021

ओमिक्रॉन पर एक्शन में सरकार

'एट रिस्क' देशों के यात्रियों का एयरपोर्ट पर ही

कोरोना टेस्ट

निगेटिव आने पर भी 7 दिन क्वारैंटाइन रहना होगा

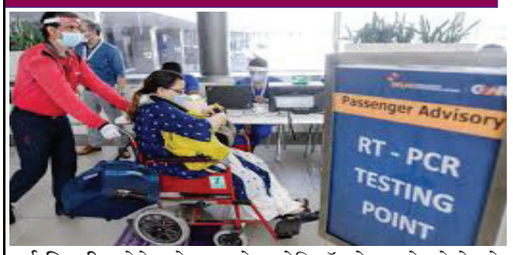

नई दिल्ली: कोरोना के नए स्ट्रेन ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने सोमवार को नई ट्रैवल एडवाइजरी जारी की भारत में पिछले 24 घंटे में 8,309 कोरोना केस सामने आए हैं। वहीं, इस दौरान कोरोना से 236 लोगों की जान भी गई है। इस बीच, वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट के खतरे के मद्देनजर भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए सोमवार को नई गाइडलाइन जारी की। इसके मुताबिक, एट रिस्क देशों से आने वाले सभी यात्रियों को आने के साथ ही कोविड-19 टेस्ट से गुजरना होगा। टेस्टिंग की शर्त तब भी लागू होगी, जबकि आने वाले यात्री पूरी तरह वैक्सीनेटेड हों।

12 देशों को एट रिस्क वाले देशों में रखा

बता दें कि केंद्र सरकार ने 12 देशों की लिस्ट तैयार की है, जहां नए वैरिएंट का खतरा अधिक है। इनमें यूके समेत यूरोप के सभी देश, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, बांग्लादेश, बोत्सवाना, चीन, मॉरीशस, न्यूजीलैंड, जिम्बाब्वे, सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग और इजराइल शामिल हैं।

गाइडलाइन्स की मुख्य बातें

- 'एट रिस्क' यानी खतरे की श्रेणी में रखे गए देशों से आने वाले यात्रियों को एयरपोर्ट पर टेस्ट कराना होगा।
- बाहर जाने वाले यात्रियों को 72 घंटे पहले किए गए टेस्ट की RT-PCR रिपोर्ट देना जरूरी होगा।
- पॉजिटिव पाए जाने वाले यात्रियों को आइसोलेट किया जाएगा, सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग होगी।
- निगेटिव पाए गए यात्री घर जा सकेंगे, पर 7 दिन तक आइसोलेट रहना होगा। ऐसे यात्रियों का 8वें दिन फिर टेस्ट होगा और अगले 7 दिन उन्हें सेल्फ मॉनिटरिंग करनी होगी।
- ओमिक्रॉन के खतरे की श्रेणी से जिन देशों को बाहर रखा गया है, वहां से आने वाले यात्रियों में 5 फीसदी की टेस्टिंग जरूर की जाएगी।
- राज्य भी विदेशों से आने वाले यात्रियों की निगरानी करें, टेस्टिंग बढ़ाएं और कोरोना हॉटस्पॉट की भी निगरानी करें।

22 दिनों बाद हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हुए CM उद्धव ठाकरे, गर्दन में तकलीफ के चलते हुए थे भर्ती; हुई दो सर्जरी

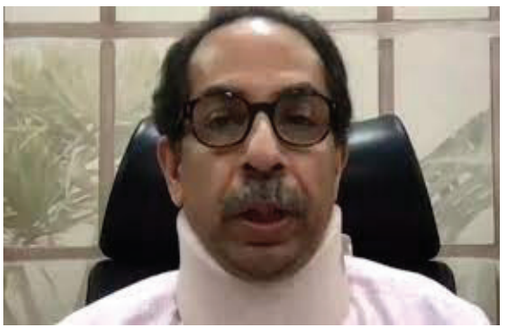

मुंबईः सीएम ठाकरे रिलायंस अस्पताल में भर्ती थे. हाल ही में उनकी एक इमरजेंसी सर्जरी भी की गई थी. दरअसल कुछ दिनों पहले सीएम ठाकरे की रीढ़ की हड्डी की सर्जरी की गई थी. वह इससे ठीक ही हो रहे थे कि अचानक उनकी रीढ़ की हड्डी में रक्त के थक्के जमने की बात सामने आते ही डॉक्टर्स को उनकी इमरजेंसी सर्जरी करनी पड़ी. ठाकरे की पहली सर्जरी 12 नवंबर को मुंबई के सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में हुई थी. रीढ़ की हड्डी में परेशानी की वजह से उन्हें 10 नवंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था.पिछले हफ्ते सीएम ठाकरे अस्पताल से ही डिजिटल माध्यम से मंत्रिमंडल की बैठक में शामिल हुए थे. बैठक में उप मुख्यमंत्री अजित पवार और अन्य मंत्री शामिल हुए थे. मंत्रिमंडल की ओर से पवार ने ठाकरे के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की.

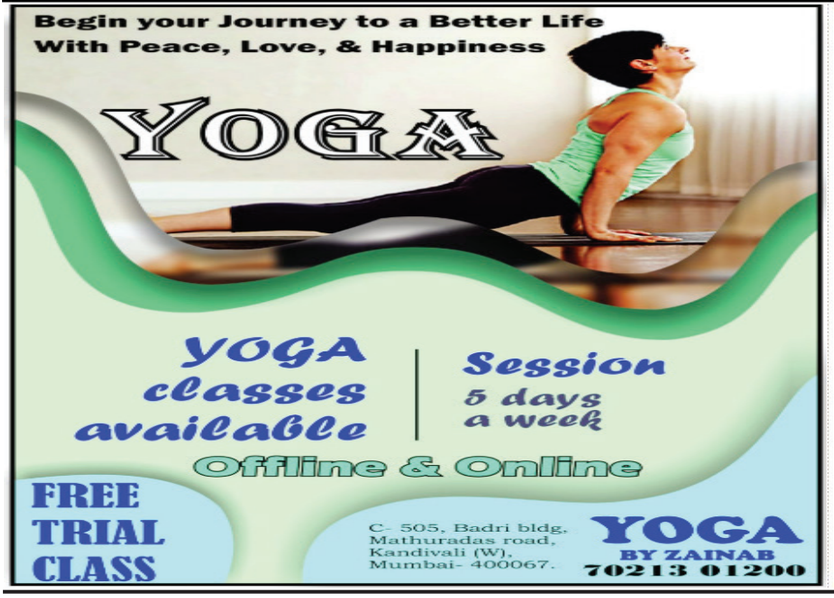

परमबीर सिंह को आज किया जा सकता है सस्पेंड, उद्धव सरकार ने पूरी की तैयारी

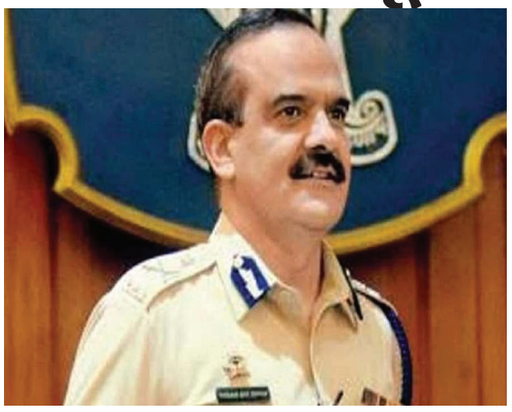

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार ने परमबीर सिंह को लेकर आईएएस ऑफिसर देबाशीष चक्रवर्ती की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है. चक्रवर्ती ने परमबीर सिंह के खिलाफ लगे अखिल भारतीय सेवा नियमों के उल्लंघन के आरोपों की जांच की थी. वहीं महाराष्ट्र के गृह विभाग ने परमबीर सिंह के खिलाफ प्रशासकीय गड़बड़ियों के चलते विभागीय जांच भी की थी. इससे पहले महाराष्ट्र के गृह मंत्री दिलीप वालसे पाटिल ने कहा था कि परमबीर सिंह को उनकी अनुशासनहीनता के लिए जल्द ही निलंबित किया जाएगा. दिलीप वालसे ने कहा था कि हम मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह के खिलाफ उनकी अनुशासनहीनता को लेकर कानूनी कार्रवाई करेंगे. उनके निलंबन की प्रक्रिया भी चल रही है. बता दें कि बीते सोमवार ही परमबीर सिंह खुद के खिलाफ दर्ज जबरन वसूली के दो मामलों को बयान देने के लिए सीआईडी के सामने पेश हुए थे. सीआईडी परमबीर सिंह के खिलाफ मरीन ड्राइव और कोपरी पुलिस स्टेशन में दर्ज मामलों की जांच कर रही है. वहीं बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को विनय सिंह के खिलाफ जारी आदेश को खारिज कर दिया. मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह के खिलाफ दर्ज वसूली के एक मामले में वह सह आरोपी है. न्यायमूर्ति एस. के. शिंदे ने विनय सिह को भगोड़ा घोषित करने संबंधी आदेश खारिज किया. सिंह के वकील अनिकेत निगम ने कहा कि आपराधिक प्रक्रिया संहिता के तय नियमों के अनुसार यह घोषणा नहीं की गई है.

कोविड संक्रमित निकला दक्षिण अफ्रीका से लौटा शख्स, ओमिक्रॉन की जांच शुरू

मुंबईः दक्षिण अफ्रीका से महाराष्ट्र पहुंचा एक शख्स कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है. अधिकारियों ने व्यक्ति में कोविड-19 के नए वेरिएंट ह्यओमिक्रॉनह्ल की जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. ओमिक्रॉन वेरिएंट के सबसे पहले मामले की पुष्टि दक्षिण अफ्रीका में ही हुई थी. देश ने 24 नवंबर को कोरोना के इस नए स्वरूप के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन को जानकारी दी थी. हाल ही में भारत सरकार ने स्वास्थ्य सुरक्षा के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए नए नियम भी जारी किए हैं.

कोरोना टेस्टिंग को लेकर कंफ्यूजन

राजेश टोपे और महाराष्ट्र सरकार के अलग-अलग नियम

मुंबई : कोरोना के ओमीक्रॉन वेरिएंट के संभावित खतरों को देखते हुए महाराष्ट्र ने एक बार फिर नई गाइडलाइंस जारी की. लेकिन इस नियमावली में और स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे द्वारा बताए गए नियमों में अंतर है. इससे कंफ्यूजन पैदा हो गया है. महाराष्ट्र प्रशासन द्वारा जारी की गई नियमावली में अन्य राज्यों से आने वालों के लिए कोरोना टेस्टिंग जरूरी बताया गया है. लेकिन स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने अन्य राज्यों से आने वालों के लिए आरटी-पीसीआर टेस्ट जरूरी नहीं बताया है. इससे यह स्पष्ट हो गया है कि मंत्री महोदय और महाराष्ट्र प्रशासन इस मामले में एक पेज पर नहीं हैं. यह हाल अन्य विभागों में भी है. स्वास्थ्य विभाग ने 1 दिसंबर से पहली क्लास से स्कूल खोलने के शिक्षा विभाग के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी थी. राजेश टोपे इसकी घोषणा भी कर चुके थे. दूसरे ही दिन मुंबई, पुणे, नासिक, औरंगाबाद की महापालिकाओं ने स्कूल खोलने से साफ मना कर दिया.

CM ममता बनर्जी ने बैठकर गाया राष्ट्रगान, मुंबई के इखढ नेता ने दर्ज कराई FIR

मुंबई :पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का मुंबई दौरा काफी सुर्खियां बंटोर रहा है. इसी बीच खबर आ रही है कि मुंबई के एक बीजेपी नेता ने उनके खिलाफ FIR दर्ज करा दी है. FIR में आरोप लगाया गया है कि ममता बनर्जी ने राष्ट्रगान का अनादर किया है. आरोप है कि एक कार्यक्रम के दौरान ममता ने कुर्सी पर बैठे-बैठे ही राष्ट्रगान गाया और उसके आदर में खड़ा होना जरूरी नहीं समझा. इतना ही नहीं बैठे-बैठे भी ममता ने राष्ट्रगान पूरा नहीं गया और 4-5 लाइनों के बाद ही चुप हो गयी थीं. इससे पहले पश्चमि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के प्रति हमदर्दी जताई है. ममता बनर्जी ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि शाहरुख खान को निशाना बनाया गया है. मुंबई दौरे पर बुधवार को सीएम ममता बनर्जी ने सिविल सोसायटी मेंबर्स के सामने एक्टर शाहरुख खान के सपोर्ट में बयान दिया. यहां उन्होंने नेताओं, सोशल एक्टविस्ट्स, पूर्व हाई कोर्ट जजेज, सेलिब्रिटीज और लाखों लोगों की मौजूदगी में यह स्टेटमेंट दिया. उन्होंने रूलिंग पार्टी बीजेपी को क्रूर पार्टी करार दिया.

रेलवे स्टेशनों पर बढ़ी चेकिंग और टेस्टिंग

अब ये लोग ही कर पाएंगे टिकट बुक

मुंबई : ओमिक्रॉन वेरियंट से फैली दहशत को देखते हुए रेलवे ने स्टेशनों पर टिकट चेकिंग और कोरोना टेस्टिंग का अभियान फिर से तेज कर दिया है. एक तरफ जहां लोकल ट्रेनों में अवैध यात्रा रोकने के लिए जबरदस्त चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ अलग-अलग राज्यों से मुम्बई आ रहे यात्रियों की टेस्टिंग भी तेज कर दी गई है. महाराष्ट्र सरकार द्वारा गाइडलाइन जारी होने के बाद रेलवे ने बड़े और भीड़ भाड़ वाले स्टेशनों उरटळ, दादर, ठाणे और कल्याण

में बिना टिकट यात्रा करने वालों को रोकने के लिए जबरदस्त चेकिंग अभियान चलाया है. इस अभियान को चलाने के पीछे अवैध यात्रा करने वालों को रोककर लोकल ट्रेनों में भीड़ को कम करना है,

क्योंकि सरकार के नए नियम के मुताबिक पूर्ण टीकाकरण कराने वाले लोगों को लोकल में यात्रा करने की अनुमति है. इतना ही नहीं, टिकट काउंटरों से भीड़ कम करने के लिए रेलवे ने यूनिवर्सल पास को वळर एप से लिंक कर दिया है. इसके जरिए यात्री बिना किसी के संपर्क में आए और काउंटर पर जाए बगैर घर बैठे टिकट बुक कर सकते हैं.

बॉम्बे हाई कोर्ट ने भीमा कोरेगांव मामले में एक्टिविस्ट सुधा भारद्वाज को डिफॉल्ट जमानत दी

मुंबईः मुंबई हाई कोर्ट ने भीमा कोरेगांव मामले में बुधवार को वकील और सामाजिक कार्यकर्ता सुधा भारद्वाज को जमानत दे दी। सुधा को यूएपीए के प्रविधानों के तहत अगस्त 2018 में एलगार परिषद-माओवादी लिंक मामले में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि कोर्ट ने वरवर राव, सुधीर धावले और वर्नोन गोंजाल्विस समेत आठ लोगों की याचिकाएं खारिज कर दीं। जस्टिस एसएस शिंदे और जस्टिस एनजे जमादार की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि भारद्वाज, जिन पर केंद्र सरकार के खिलाफ साजिश का हिस्सा होने का आरोप है, ऐसी जमानत की हकदार हैं। पीठ ने निर्देश दिया कि भायखला महिला जेल में बंद भारद्वाज को आठ दिसंबर को मुंबई की विशेष एनआइए अदालत में पेश किया जाए। उनकी जमानत शर्तें और रिहाई की तारीख अदालत तय करे। इस मामले में गिरफ्तार 16 लोगों

में भारद्वाज पहली शख्स हैं, जिन्हें डिफाल्ट जमानत मिली है। वरवर राव फिलहाल मेडिकल जमानत पर बाहर हैं। स्टेन स्वामी की बीती पांच जुलाई को एक निजी अस्पताल में जमानत का इंतजार करते हुए मौत हो चुकी है। अन्य सभी, विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में हैं। गौरतलब है कि पेश से वकील सुधा भारद्वाज ने करीब तीन दशकों तक छत्तीसगढ़ में रहकर काम किया है। उन्होंने सुधा पीपुल्स यूनियन फार सिविल लिबर्टीज (पीयूसीएल) बनाया। अगस्त 2018 में पुणो पुलिस ने उन्हें भीमा कोरेगांव में हुई हिंसा और माओवादियों से कथित संबंधों के आरोप में गिरफ्तार किया था। 1967 में पश्चिम बंगाल के एक गांव नक्सलबाड़ी में जमींदारों के खिलाफ हथियारबंद आंदोलन हुआ था।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) यानी सीपीएम से अलग हुए एक धड़े ने नक्सल मूवमेंट के जनक माने जाने वाले चारू मजूमदार के नेतृत्व में यह संघर्ष चलाया था। उनका मानना था सीपीएम राजनीति इच्छा को लेकर मकसद से भटक गई है। बाद में नक्सलबाड़ी आंदोलन का दमन हो गया।

हालांकि इस विचारधार से जुड़े लोग नक्सल कहलाए। वे खुद को नक्सलवादी धारा से जुड़ा मानते थे, इसलिए उन्हें नक्सल कहा गया। 2004 में कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (माओवादी) का एक दस्तावेज आया। इसमें अर्बन प्रासपेक्टिव शब्द का उल्लेख किया गया और इसकी व्याख्या की गई।

ओमिक्रोन के खतरे को देख बीएमसी का बड़ा फैसला, कक्षा 1 से 7वीं तक के स्कूल खोलने की तारीख आगे बढ़ी

मुंबईः कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रोन के खतरे को देखते हुए बीएमसी ने स्कूल खोलने की तारीख आगे बढ़ा दी है अब कक्षा 1 से 7वीं तक के स्कूल 15 दिसंबर से खोले जाएंगे। बता दें कि इससे पहले कक्षा 1 से 7वीं तक के स्कूल 1 दिसंबर से खुलने वाले थे जबकि कक्षा 8 से 12वीं तक के स्कूल 4 अक्टूबर से खुले हुए हैं। बीएमसी के के अलावा पुणे नगर निगम ने भी स्कूलों को खोलने की तारीख 15 दिसंबर तक बढ़ा दी है। वहीं नागपुर में भी स्कूलों को 10 दिसंबर तक नहीं खोलने का निर्णय लिया गया है। वहीं मुंबई के स्कूलों को खोलने की तारीख आगे बढ़ा दी गई है। नवी मुंबई के स्कूलों को भी 15 दिसंबर को खोला जाएगा। हालांकि पहले आज 1 दिसंबर से ही स्कूल खोलने का फैसला लिया गया था। मुंबई में ओमिक्रॉन का खतरा लगातार मंडरा रहा है, बीते 15 दिनों में यहां दक्षिण अफ्रीकी देशों से लगभग एक हजार यात्री आए हैं और जिनमें से मात्र 100 लोगों की ही जांच हो पायी है। बीएमसी के पास अभी 466 लोगों की ही सूची है, जबकि 534 लोगों

की जानकारी अभी नहीं मिल पायी है गौरतलब है कि ओमिक्रॉन संस्करण (बी.1.1.529), कोरोनावायरस का एक नया संस्करण, पहली बार बोत्सवाना में 11 नवंबर, 2021 को रिपोर्ट किया गया था, और 14 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका में दिखाई दिया। इसे विश्व स्वास्थ्य संगठन (हलड) ने चिंताजनक घोषित किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से सोमवार को आगाह किया गया था कि प्रारंभिक साक्ष्य के आधार पर वायरस के नए स्वरूप 'ओमीक्रोन' से विश्व को काफी खतरा पैदा हो सकता है और इसके 'गंभीर परिणाम' सामने आ सकते हैं। वहीं संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने सदस्य देशों को एक तकनीकी ज्ञापन जारी कर कहा था कि नए वैरिएंट को लेकर काफी अनिश्चितता' बनी हुई है।

परमबीर सिंह और सचिन वाझे के बीच मुलाकात पर बढ़ा विवाद

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह और बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाझे के बीच हुई मुलाकात की जांच का आदेश दिया है। इन दोनों के बीच यह मुलाकात सोमवार को तब हुई जब परमबीर चांदीवाल जांच आयोग के सामने पेश हुए। उल्लेखनीय है परमबीर और वाझे मुंबई में अवैध वसूली के एक मामले में सह-आरोपी हैं।महाराष्ट्र के गृह मंत्री दिलीप वाल्से पाटिल ने कहा कि वाझे इस समय न्यायिक हिरासत में है। नियमों के अनुसार उसे किसी से मिलने की अनुमति नहीं है। मैंने मुंबई के पुलिस आयुक्त हेमंत नागराले को इस मामले की जांच करने का निर्देश दिया है। गृह मंत्री ने कहा कि वाझे और परम बीर के बीच इस तरह की मुलाकात बिल्कुल गलत है। वाझे से केवल अदालत की अनुमति के बाद ही मिला जा सकता है। लेकिन ऐसा लगता है कि परमबीर को वाझे से मिलने के लिए ऐसी कोई अनुमति नहीं मिली हुई है।उल्लेखनीय है कि दोनों के बीच सोमवार को दक्षिण मुंबई की एक इमारत की दूसरी मंजिल में मुलाकात हुई थी।

संपादकीय

संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला

अभद्र आचरण का बचाव

विपक्षी दल संसद के पिछले सत्र में राज्यसभा में अशोभनीय आचरण करने के आरोप में निलंबित किए गए 12 सांसदों का जिस तरह बचाव कर रहे हैं, उससे वे अपना ही नुकसान कर रहे हैं। वे एक तरह से संसद की कार्यवाही से किनारा करने और बहस से बचने के लिए बहाने बनाते ही नजर आ रहे हैं। विपक्षी दल निलंबित सांसदों के बचाव में जैसी खोखली दलीलें दे रहे हैं, उससे वे अभद्रता की पैरवी करते भी दिखने लगे हैं। यह एक तथ्य है कि मानसून सत्र में राज्यसभा में सभापति के आसन के सामने की मेजों पर चढ़कर जो हुड़दंग किया गया, वह हर लिहाज से आपत्तिजनक और अशोभनीय था। संसद की गरिमा को गिराने वाले इस शर्मनाक आचरण के प्रमाण उपलब्ध होने के बाद भी विपक्ष यह साबित करने की कोशिश कर रहा है कि निलंबित किए गए सांसदों की ओर से ऐसा किया जाना उनका अधिकार था। यह चोरी और सीनाजोरी के अलावा और कुछ नहीं। विपक्ष का यह सवाल भी थोथा और देश की जनता को गुमराह करने वाला है कि पिछले सत्र के मामले को लेकर अब कार्रवाई क्यों की जा रही है? वह इस सच को जानबूझकर छिपा रहा है कि जब राज्यसभा अभद्र आचरण का गवाह बनी, तब मानसून सत्र का आखिरी दिन था। क्या विपक्ष यह कहना चाहता है कि हुड़दंग मचाने वाले सांसदों को निलंबित करने के लिए कोई विशेष सत्र बुलाया जाता या फिर उसी को विस्तारित किया जाता? यह तय है कि अगर ऐसा कुछ किया जाता तो भी विपक्षी दल उसी तरह हंगामा कर रहे होते, जैसे अब कर रहे हैं इससे लज्जाजनक और कुछ नहीं कि पहले विपक्षी सदस्य सदन में अशोभनीय हरकत करें और फिर उसे जायज ठहराने की कोशिश करें। यह संसद की गरिमा को गिराने वाला रवैया है। इसका विरोध होना चाहिए। अराजकता कहीं भी हो, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी ही चाहिए-वह चाहे संसद के भीतर हो या फिर बाहर। यह अच्छा हुआ कि राज्यसभा सभापति ने निलंबित सांसदों को बहाल करने की विपक्ष की बेजा मांग को खारिज कर दिया। यदि निलंबित सांसद अपने अशोभनीय आचरण के लिए खेद नहीं जताते तो उन्हें बहाल नहीं किया जाना चाहिए, अन्यथा संसद में होने वाला हंगामा हुड़दंग का रूप ले लेगा। विपक्षी दलों की खोखली दलीलों से यह भी साबित हो रहा है कि उनके पास निलंबित सांसदों के खिलाफ की गई विधिसम्मत कार्रवाई का विरोध करने का कोई नैतिक आधार नहीं। वास्तव में इसी कारण वे इस झूठ का सहारा ले रहे कि पिछले सत्र में तो कुछ असामान्य हुआ ही नहीं था। यह संसद ही नहीं, देश की आंखों में भी धूल झोंकने की कोशिश है।

क्या निजी खपत कमजोर पड़ने से जीडीपी पर असर पड़ रहा है?

हालांकि अगर उपभोक्ता रुझान भविष्य में सुधरता है तो सुधार और बढ़ोतरी की पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं. निजी खपत में सुधार काफी कुछ इस बात पर भी निर्भर करेगा कि मुद्रास्फीति की राह आगे किस तरह की होती है. फिलहाल तो हमें अर्थव्यवस्था में मांग में सुधार के संकेतों के लिए मौजूदा तिमाही के आंकड़ों का इंतजार करना होगा. तिमाही में वृद्धि के आंकड़ों का विश्लेषण करते समय ग्रॉस वैल्यू ऐडेड को देखना बहुत मायने रखता है. क्योंकि इसके आंकड़े हमें पूरी अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य के बारे में बताने के अलावा यह भी बताते हैं कि कौन से क्षेत्र अभी भी सुधार को लेकर संघर्ष कर रहे हैं और कौन से क्षेत्र सुधार का नेतृत्व कर रहे हैं.

मंगलवार को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने मौजूदा वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही के जीडीपी के अनुमान जारी कर दिए हैं, जिसमें जुलाई से सितंबर 2021 तिमाही के इन आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले वर्ष की समान तिमाही की तुलना में इस वर्ष 8.4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. हालांकि अगर हम इसकी तुलना 2 साल पहले की जुलाई-सितंबर तिमाही से करते हैं तो यह वृद्धि महज 0.3 फीसदी ही नजर आती है. इसकी एक बड़ी वजह है निजी खपत का कमजोर पड़ना. दरअसल अगर हम अंतिम निजी खपत व्यय पर नजर डालते हैं तो हमें पता चलता है कि आज के आंकड़े महामारी के पहले वर्ष यानि 2019-20 की समान तिमाही से अब भी 3.5 फीसदी कम हैं. यानि कि एक तरफ जहां कुल जीडीपी में सुधार हो रहा है, वहीं उसकी आड़ में कहीं ना कहीं निजी खपत की कमजोरी छिप रही है, जो सकल घरेलू उत्पाद पर असर डाल रही है. इसमें कोई दो राय नहीं है कि महामारी के कारण निजी खपत में भारी कमी आई थी लेकिन अब धीरे-धीरे इस क्षेत्र में भी सुधार की जरूरत है. हमें समझना होगा कि सरकार हमेशा सुधार प्रक्रिया को फंड नहीं दे सकती, उसका खुद का राजकोषीय गणित कठिन होता जा रहा है. क्योंकि निजी मांग कम है. हालांकि टैक्स वसूली में जरूर बेहतरी देखी गई, लेकिन ऐसा मुद्रास्फीति दबाव में इजाफा होने से हुआ है.

लोग कम खर्च कर रहे हैं

इस वर्ष निजी खपत, जो कुल सकल घरेलू उत्पाद का 55 फीसदी हिस्सा कवर करता है, विकास की गाड़ी का बड़ा इंजन है. उसमें पिछले वर्ष के दूसरी तिमाही के मुकाबले महज 8.6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है. जो संतोषजनक नहीं है. क्योंकि बीते साल दूसरी तिमाही में निजी उपभोग व्यय में 11 फीसदी से अधिक की कमी आई थी. यानि कि इस वर्ष दूसरी तिमाही में निजी खपत 2 साल पहले की समान तिमाही की तुलना में बहुत कम नजर आई. साफ शब्दों में कहें तो लोगों ने इस साल 2 साल पहले की समान तिमाही की तुलना में कम खर्च किया है. वहीं दूसरी ओर इसके विपरीत व्यवसाय द्वारा किए गए निवेश जो कुल जीडीपी की वृद्धि में दूसरा सबसे बड़ा योगदान, 33 फीसदी का देते हैं. उनकी इस वर्ष की दूसरी तिमाही में 11 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई. जो पिछले वर्ष के 8.6 फीसदी से ज्यादा रही. साफ शब्दों में कहें तो बीते 5 वर्षों में किसी भी दूसरे तिमाही की तुलना में इस दूसरी तिमाही में कंपनियों ने अधिक निवेश किया है. इससे साफ पता चलता है कि भारत के आर्थिक सुधार के बारे में फर्म आशावादी हैं.

कोरोनावायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रोन के सामने आने के बाद न सिर्फ भारत बल्कि दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव बढ़ सकता है. इससे निर्यात में भी कमी आ सकती है, जो वृद्धि को प्रभावित करेगा. वहीं अगर हम सरकारी वित्त से जुड़े संभावित खतरों की बात करें तो निजी खपत को सुधार के बोझ में अपनी हिस्सेदारी निभानी होगी.

हालांकि अगर उपभोक्ता रुझान भविष्य में सुधरता है तो सुधार और बढ़ोतरी की पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं. निजी खपत में सुधार काफी कुछ इस बात पर भी निर्भर करेगा कि मुद्रास्फीति की राह आगे किस तरह की होती है. फिलहाल तो हमें अर्थव्यवस्था में मांग में सुधार के संकेतों के लिए मौजूदा तिमाही के आंकड़ों का इंतजार करना होगा.

तिमाही में वृद्धि के आंकड़ों का विश्लेषण करते समय ग्रॉस वैल्यू ऐडेड को देखना बहुत मायने रखता है. क्योंकि इसके आंकड़े हमें पूरी अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य के बारे में बताने के अलावा यह भी बताते हैं कि कौन से क्षेत्र अभी भी सुधार को लेकर संघर्ष कर रहे हैं और कौन से क्षेत्र सुधार का नेतृत्व कर रहे हैं. दरअसल जीडीपी, जीवीए डेटा लेकर और विभिन्न उत्पादों पर सरकार द्वारा अर्जित टैक्स को जोड़कर फिर उत्पादों पर सरकार द्वारा दी गई सब्सिडी को घटाकर निकाला जाता है. इसलिए जीवीए पर नजर बनाए रखना जरूरी है. अगर हम जीवीए के आंकड़ों को देखें तो पता चलेगा कि पिछले साल की दूसरी तिमाही के मुकाबले इस वर्ष जीवीए बेहतर है.

हालांकि खनन, कंस्ट्रक्शन और सेवाएं, ट्रेड, होटल और सभी फाइनेंशिल सर्विसेज के स्तर में गिरावट देखी गई है. अर्थव्यवस्था को ठीक करने में अभी 2 साल और लगेंगे

महामारी के दौर ने भारत की अर्थव्यवस्था को इस तरह से चोट पहुंचाई है कि इसे अभी आकार की रिकवरी के लिए लगभग 2 वर्ष और लगेंगे. हालांकि राहत की बात जरूर है कि अर्थव्यवस्था 2020 की दूसरी तिमाही में आई मंदी से उबर रही है.

अमेरिका की कंपनी ने दिया बीएचयू आइआइटी के छात्र को दो करोड़ का पैकेज

वाराणसीः मंगलवार आधी रात के बाद से शुरू आइआइटी बीएचयू के फाइनल इयर के छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट अभी भी जारी है। इस बीच संस्थान के एक छात्र को एक अमेरिकन कंपनी ने दो करोड़ का पैकेज दिया है। यह सैन फ्रांसिस्को की सर्विस प्रोवाइडर कंपनी है। पहले ही दिन करोड़ से बोहनी होने से आइआइटी बीएचयू के छात्रों में हर्ष का माहौल है। अन्य चयनित छात्रों की फाइनल सूची शाम तक सामने आने की उम्मीद है।

कैंपस सेलेक्शन के लिए बीएचयू आइआइटी के राजपूताना छात्रावास में सारी व्यवस्थाएं की गई हैं। छात्रावास में सैकड़ों कंप्यूटर लगाए गए हैं। लगभग 200 से अधिक देशी-विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियां छात्रों का साक्षात्कार ले रही हैं। आधी रात 12 बजे के बाद से चल रहा साक्षात्कार का यह क्रम अभी तक लगातार जारी है। लगभग 1500 छात्र इस आनलाइन कैंपस प्लेसमेंट के इंटरव्यू में शामिल हैं। आइआइटी के छात्रों ने ही की है पूरी व्यवस्था : संस्थान के सेवायोजन अधिकारी प्रो.

अनिल कुमार राय बताते हैं कि अपने सीनियर्स छात्रों के साक्षात्कार के लिए सारे इंतजाम उनके जूनियर्स ने ही किए हैं। जूनियर्स छात्रों ने ही खुद कैंपस प्लेसमेंट का पोर्टल तैयार किया है। उन्होंने ही कंपनियों को प्लेसमेंट के लिए आमंत्रित भी किया है। अभी तक 200 से अधिक कंपनियां प्लेसमेंट के लिए छात्रों का इंटरव्यू ले रही हैं। प्रो. एके राय ने बताया कि यहां के मेधावी जूनियर छात्रों ने पूरे प्लेसमेंट का जिम्मा खुद ही ले करके संस्थान के करीब 50 लाख रुपये बचाए हैं। क्योंकि अन्य संस्थान प्लेसमेंट के लिए अलग से निजी कंपनियों को हायर करते हैं और उन्हें 50-60 लाख रुपये इसके लिए भुगतान करते हैं।

यही नहीं जूनियर छात्र खुद अपने सीनियर्स की पूरे तन-मन से मदद कर रहे हैं। यहां तक कि हर एक को एक-एक कंपनियों का लिंक दिया जा रहा है तथा कंपनियों को उनका लिंक और प्रोफाइल शेयर की जा रही है। लगभग 12 नेतृत्वकर्ता छात्रों के दल में 50 अन्य छात्रों की टीम है जो पूरी व्यवस्था संभाले हुए हैं यहां तक कि खाने-पीने की भी। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण का यह साक्षात्कार पांच दिनों तक लगातार 24 घंटे चलेगा। इस बीच व्यवस्था संभाल रहे कोर कमेटी के सारे छात्र सदस्य व सेवायोजन अधिकारी तब तक यहीं बने रहेंगे।

बिहार विधानसभा परिसर में शराब की बोतलें मिलने के मामले में एफआइआर CCTV में दिखा संदिग्ध

पटना : विधानसभा परिसर में मंगलवार को शराब की खाली बोतल और टेट्रा पैक मिलने के मामले में बुधवार को सचिवालय थाने में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। थानाध्यक्ष सीपी गुप्ता के बयान पर मामला दर्ज हुआ है। पुलिस आरोपित की पहचान में जुटी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है। थानाध्यक्ष ने बताया कि एफएसएल जांच रिपोर्ट का इंतजार है। केस के आइओ छानबीन में जुटे हैं।

प्राथमिकी में लिखा गया है कि विधानसभा कैंपस में स्टाफ बाइक पार्किंग से दक्षिण कूड़ा रखा था। कूड़े में ही शराब की तीन खाली बोतलें और दो टेट्रा पैक मिले थे। पुलिस ने जब्त कर लिया है। कोर्ट से आदेश लेकर पुलिस अब इसे फोरेंसिक जांच के लिए भेजेगी ताकि पता चल सके कि बोतल कितनी पुरानी है। बोतल पर ङ्क्षफगर ङ्क्षप्रट की भी जांच की जाएगी। सब इंस्पेक्टर राजेश कुमार को जांचकर्ता बनाया गया है। पुलिस फुटेज के जरिए एक संदिग्ध की पहचान में जुटी है।

सूत्रों की मानें तो संदिग्ध सफेद कपड़ा पहने हुए है। विधानसभा जैसे सुरक्षित क्षेत्र में शराब की खाली बोतल मिलने के बाद हड़कंप मच गया था। पूरे मामले की जांच डीजीपी ने अपने स्तर से की थी और फिर सचिवालय थाने में केस दर्ज हुआ।

यूपी टीईटी पेपर लीक केस में योगी सरकार की बड़ी कार्रवाई

निलंबन के बाद पीएनपी सचिव संजय उपाध्याय गिरफ्तार

लखनऊः उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) 2021 का प्रश्नपत्र लीक मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कड़े निर्देशों के बाद एसटीएफ ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। दिल्ली की चहेती कंपनी को नियमों को दरकिनार कर प्रश्नपत्र छापने का काम देने के दोषी पाए गए परीक्षा नियामक प्राधिकारी (पीएनपी) के निलंबित सचिव संजय उपाध्याय को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रश्नपत्र छापने का ठेका लेने वाली कंपनी आरएसएम फिनसर्व लिमिटेड के निदेशक राय अनूप प्रसाद से पूछताछ में संजय उपाध्याय की संलिप्तता सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई। शासन ने संजय उपाध्याय को मंगलवार को निलंबित किया था। एसटीएफ की नजर अब कई और आरोपितों पर टिकी है। पेपर लीक करने वालों से लेकर साल्वर गिरोह के कई सदस्यों की तलाश चल रही है। जल्द कई और आरोपितों की गिरफ्तारी हो सकती है।एसटीएफ की जांच में सामने आया है कि संजय उपाध्याय और राय अनूप प्रसाद पहले से एक-दूसरे को जानते थे। अनूप की कंपनी के पास सिक्योरिटी प्रिंटिंग की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इसकी जानकारी होने के बाद भी संजय ने अनूप की कंपनी को बिना कोई गोपनीय

जांच कराए ही वर्क आर्डर दिया और उसकी प्रिंटिंग प्रेस का निरीक्षण तक नहीं किया गया। एसटीएफ की जांच में संजय उपाध्याय को सरकारी धन का दुरुपयोग करने का भी दोषी पाया गया है। सिक्योरिटी प्रिंटिंग में एक प्रश्नपत्र के मुद्रण में 50 रुपये तक खर्च आता है। जो साधारण प्रिंटिंग की तुलना में काफी अधिक होता है। इन सभी तथ्यों की जानकारी होने के बाद भी एक ऐसी कंपनी को मुद्रण का काम दिया गया, जो एक भी मानक को पूरा नहीं करती थी।आरएसएम फिनसर्व लिमिटेड ने चार अलग-अलग साधारण प्रिंटिंग प्रेस में प्रश्नपत्र छपवाए थे। सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण प्रश्नपत्र लीक हो गया था। इन तथ्यों के सामने आने के बाद संजय उपाध्याय को एसटीएफ मुख्यालय बुलाकर लंबी पूछताछ की गई थी, जिसमें वह चहेती कंपनी को वर्क आर्डर देने को लेकर कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सके। एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश का कहना है कि एसटीएफ की प्रयागराज और नोएडा यूनिट सहित थाना सूरजपुर पुलिस की संयुक्त पूछताछ में पेपर लीक मामले में संजय की संलिप्तता पाई गई। मूलरूप से गाजीपुर के ग्राम चकिया निवासी संजय उपाध्याय को गौतमबुद्धनगर के सूरजपुर थाने में राय अनूप प्रसाद व अन्य के विरुद्ध दर्ज कराए गए मुकदमे के तहत गिरफ्तार किया गया है।

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा 28 नवंबर को आयोजित की गई थी। परीक्षा शुरू होने से पहले ही पेपर लीक हो गया था, जिसके कारण परीक्षा रद कर दी गई थी।

कविता

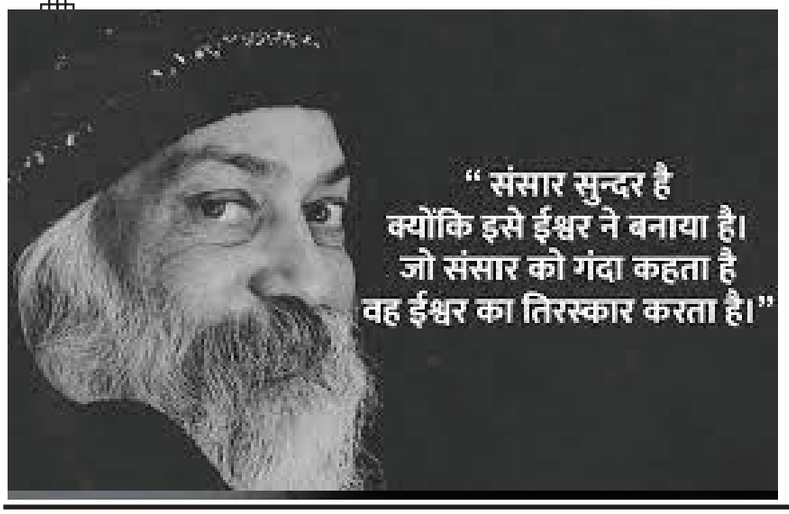

कहै कबीर दीवाना-ओशो

वह कभी सीधा हुआ मालूम होता नहीं। वे मर जाते हैं, आंगन टेढ़ा ही रहता है। वस्तुओं को इकट्ठा करनेवाले के चेहरे पर तुम्हें रुपए का घिसापिटापन दिखाई पड़ेगा। जैसे रुपया सरकता है हाथों हाथ। बासा होता जाता है। हर साथ की गंदगी उसमें लगती जाती है। हर प्राण की तृष्णा उसमें भरती जाती है। रुपया सरकता जाता है एक हाथ से दूसरे हाथ हजारों हाथ। रुपये से ज्यादा जूठा इस संसार में और कुछ नहीं हो सकता। अच्छिष्ठ! कितने हाथों में चलता है। कितनी गंदगियों से गुजरता है। कितनी यात्रा करता है। घिस-पिट जाता है। वैसा ही घिसन और घिसापिटापन तुम्हें कृपण के चेहरे और आंखों पर दिखाई पड़ेगा। वहां तुम्हें ताजगी न दिखेगी। सुबह की ओस की। वहां तुम्हें फूलों की गंध न दिखेगी नये-नये खिले। वहां तुम्हें रुपये का घिसापिटापन दिखाई पड़ेगा। कृपण कभी मौलिक नहीं होता। हमेशा उधार होता है। उसके जीवन में कभी कोई ऊर्जा सुबह जैसी नहीं होती। हमेशा थकान होती है। वह हमेशा ऊबा हुआ होता है।

जारी....

ज्यादा नींबू पानी पीने से सेहत को हो सकते हैं ये 6 नुकसान

नींबू पानी स्वाद और सेहत दोनों के लिए फायदेमंद है। फिल्म और टीवी जगत के कई सितारे भी नींबू पानी के सेवन करके फिट रहने की सलाह देते हैं। सुबह-सुबह नींबू पानी पीने आपका वजन भी नियंत्रित रहता है और आप पूरे दिन तरोताजा भी अनुभव करते हैं। नींबू में विटामिन-सी, पोटैशियम और फाइबर पाया जाता है लेकिन इसका जरूरत से ज्यादा सेवन करना आपके स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इससे आपकी त्वचा,दांतों और पेट की कई बीमारियां हो सकती है। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते है आरोग्य डाइट्स और न्यूट्रीशन क्लीनिक द्वारका की डायटिशियन डॉ सुगीता मुटरेजा से।

▸ दांतों को हो सकता है नुकसान

हम जानते हैं कि नींबू एक साइट्रस फल है और ये बहुत अधिक खट्टा होता है। इसके अधिक सेवन से आपके दांत खराब हो सकते हैं। दांतों की ऊपरी परत खराब हो सकती है। आप अपने दांतों में या कुछ खाते वक्त खट्टेपन का अनुभव कर सकते हैं। इसलिए नींबू पानी का सेवन संतुलित मात्रा में करें और तुरंत दांतों को ब्रश करने से भी बचें। अगर आपके दांतों में पहले से ही कोई तकलीफ है तो नींबू पानी का सेवन डॉक्टर की सलाह से करें। 2. नींबू पानी के अधिक सेवन से हो सकता है माइग्रेन अधिक नींबू पानी के सेवन से आपको माइग्रेन की समस्या हो सकती है। नींबू जैसे खट्टों फलों में पाया जाने वाला तत्व टायरामाइन माइग्रेन और सिरदर्द को बढ़ावा दे सकता है। इसलिए अगर आपको माइग्रेन की परेशानी है तो अपनी डायटिशियन की सलाह पर ही नींबू पानी का सेवन करें।

▸ पेट के लिए नुकसानदायक हो सकता है नींबू रस

पेट के लिए नींबू पानी का सेवन अच्छा माना जाता है लेकिन अत्यधिक नींबू पानी के सेवन से आपको पेट से जुड़ी तमाम तरह की परेशानियां हो सकती हैं।

इसके अधिक इस्तेमाल से गैस्ट्रोएसोफगल रिफ्लक्स रोग और एसिडिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे आपको मतली, उल्टी और मूड स्विंग जैसी दिक्कतें भी आ सकती है। रोजाना नींबू पानी पीने से हार्टबर्न हो सकता है। खासकर अगर आप नियमित रूप से हार्टबर्न का अनुभव कर रहे हैं को आपको सावधान हो जाना चाहिए।

हार्टबर्न के सामान्य लक्षणों में सीने में दर्द और गंभीर जलन की समस्या हो सकती है।

▸ त्वचा में जलन

नींबू जैसे फलों के एसिडिक नेचर के कारण इसका त्वचा पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

संगीत से लेकर रिसेप्शन तक, सामने आई दोनों की शादी की पूरी डिटेल्स

बॉलीवुड में इन दिनों वेडिंग सीजन चल रहा है और एक के बाद एक सेलेब्स शादी के बंधन में बंध रहे हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो 9 दिसंबर को विक्की कौशल और कैटरीना कैफ भी शादी कर लेंगे. हालांकि दोनों एक्टर्स ने अभी तक इन खबरों पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है. लेकिन शादी को लेकर रोज नए-नए अपडेट्स आते हैं.

बॉलीवुड में इन दिनों वेडिंग सीजन चल रहा है और एक के बाद एक सेलेब्स शादी के बंधन में बंध रहे हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो 9 दिसंबर को विक्की कौशल और कैटरीना कैफ भी शादी कर लेंगे. हालांकि दोनों एक्टर्स ने अभी तक इन खबरों पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है. लेकिन शादी को लेकर रोज नए-नए अपडेट्स आते हैं.

2/5अब संगीत से लेकर रिसेप्शन तक, दोनों की शादी को लेकर कुछ डिटेल्स सामने आई हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों की शादी सवाई मोधपुर, राजस्थान में होगी. 4 दिन के फंक्शन होंगे. ई टाइम्स के मुताबिक 7 दिसंबर से शादी के फंक्शन शुरू होंगे जो 10 तक चलेंगे.

अब संगीत से लेकर रिसेप्शन तक, दोनों की शादी को लेकर कुछ डिटेल्स सामने आई हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों की शादी सवाई मोधपुर, राजस्थान में होगी. 4 दिन के फंक्शन होंगे. ई टाइम्स के मुताबिक 7 दिसंबर से शादी के फंक्शन शुरू होंगे जो 10 तक चलेंगे. वेबसाइट के मुताबिक, 7 दिसंबर को संगीत होगा, 8 को मेहंदी और 9 को शादी. 10 दिसंबर को रिसेप्शन होगा. विक्की और कैटरीना वेडिंग वेन्यू पर 6 दिसंबर को पहुंच जाएंगे.

वेबसाइट के मुताबिक, 7 दिसंबर को संगीत होगा, 8 को मेहंदी और 9 को शादी. 10 दिसंबर को रिसेप्शन होगा. विक्की और कैटरीना वेडिंग वेन्यू पर 6 दिसंबर को पहुंच जाएंगे. गेस्ट लिस्ट की बात करें तो अब तक शादी में शामिल होने वाले जिन सेलेब्स के नाम सामने आए हैं उसमें वरुण धवन और उनकी पत्नी नताशा, रोहित शेट्टी, करण जौहर, शशांक खैतान, सिद्धार्थ मल्होत्रा, कियारा आडवाणी और कबीर खान शामिल हैं. गेस्ट लिस्ट की बात करें तो अब तक शादी में शामिल होने वाले जिन सेलेब्स के नाम सामने आए हैं

भारतीय टीम के लिए आई खुशखबरी

मुंबई टेस्ट मैच से पहले ये खिलाड़ी हुआ फिट

नई दिल्ली। भारतीय टीम को शुक्रवार 3 दिसंबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच में उतरना है। इससे पहले इस बात की पुष्टि हो गई है कि कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हुए विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा पूरी तरह से फिट हो गए हैं और मुंबई टेस्ट मैच में सलेक्शन के लिए उपलब्ध हैं। इस बात की जानकारी विराट कोहली ने भी दे दी है।

दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम इंडिया से जुड़ने वाले कप्तान विराट कोहली ने मैच से एक दिन पहले की गई वर्चुअल प्रेस कान्फ्रेंस में कहा है कि रिद्धिमान साहा पूरी तरह से चोट से उबर चुके हैं और विकेटकीपिंग के लिए तैयार हैं। हालांकि, विराट कोहली ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि क्या वे दूसरे टेस्ट मैच में उतरेंगे या नहीं, लेकिन कानपुर में खेली गई उनकी पारी की बदौलत उनको दूसरे टेस्ट मैच की प्लेइंग इलेवन में भी मौका मिल सकता है।गौरतलब है कि कानपुर टेस्ट मैच के तीसरे दिन रिद्धिमान साहा विकेटकीपिंग के लिए नहीं उतरे थे, क्योंकि उनकी गर्दन में अकड़न थी। ऐसे में केएस भरत ने दस्तानों संभाले थे। हालांकि, मैच के चौथे दिन रिद्धिमान साहा ने बल्लेबाजी की थी, लेकिन उस समय भी वे चोट से परेशान थे और ड्रिंक्स के दौरान ट्रीटमेंट लेते थे और चौथे दिन आखिरी के चार ओवर उन्होंने विकेटकीपिंग की थी, लेकिन आखिरी दिन फिर से श्रीकर भरत को दस्ताने संभालने पड़े थे रिद्धिमान साहा ने कानपुर टेस्ट मैच की दूसरी पारी में अहम समय पर 126 गेंदों में 4 चौके और 1 छक्के की मदद से 61 रन की नाबाद पारी खेली थी। इसके बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने पारी घोषित कर दी थी। इसी वजह से उनको दूसरे टेस्ट मैच में मौका मिल सकता है और वे बल्लेबाजी में गहराई प्रदान कर सकते हैं। हालांकि, श्रीकर भरत ने अपनी अच्छी विकेटकीपिंग के साथ इस पद के लिए दावेदारी पेश कर दी है।

भारतीय टीम के साउथ अफ्रीका दौरे को लेकर नई जानकारी आई सामने, क्रिकेट फैंस को लग सकता है झटका

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में दूसरा और आखिरी टेस्ट मैच खेलने के बाद भारतीय टीम को साउथ अफ्रीका के दौरे के लिए निकलना था, लेकिन इस कार्यक्रम में थोड़ा बदलाव हो सकता है। कोरोना वायरस महामारी के नए ओमिक्रोन वेरिएंट के कारण भारतीय टीम के के साउथ अफ्रीका दौरे को एक सप्ताह के लिए आगे बढ़ाया जा सकता है। एक

बीसीसीआइ के अधिकारी ने गुरुवार को इस बात की पुष्टि की कि दोनों बोर्ड लगातार बात कर रहे हैं और खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस पर जल्द फैसला लिया जाएगा, क्योंकि साउथ अफ्रीका में कोरोना के इस नए स्ट्रेन के केस सामने आए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ के एक अधिकारी ने एएनआइ से बात करते हुए कहा, हम ओमिक्रोन कोरोना संस्करण के खतरे के कारण सीरीज को एक सप्ताह पीछे धकेलने पर चर्चा कर रहे हैं और हम भारत सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं, दोनों बोर्ड लगातार संपर्क में हैं और हर चीज पर चर्चा की जा रही है।

इस बल्लेबाज से न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट मैच में शतक चाहते हैं वीवीएस लक्ष्मण,

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज और मौजूदा क्रिकेट कमेंटेटर वीवीएस लक्ष्मण ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले कहा है कि वे देखना चाहेंगे कि कप्तान विराट कोहली प्रदर्शन करें। जल्द नेशनल क्रिकेट एकेडमी यानी एनसीए प्रमुख बनने जा रहे वीवीएस लक्ष्मण ने ये भी कहा है कि श्रेयस अय्यर को दूसरे टेस्ट मैच में मौका मिलना चाहिए.

दक्षिण अफ्रीका दौरे को लेकर कब होगा फैसला, विराट कोहली ने बताया

नई दिल्ली: भारतीय टेस्ट और वनडे क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने टीम इंडिया के दक्षिण अफ्रीका दौरे को लेकर बयान दिया है. उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीकी दौरे को लेकर फैसला भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड एक या दो दिन में ले लेगा. हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस दौरे को एक सप्ताह के लिए टाला जा सकता है. लेकिन बीसीसीआई की तरफ से इस दौरे को लेकर अभी तक कोई भी अधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है. भारत को 17 दिसंबर से 26 जनवरी के बीच 3 टेस्ट, 3 वनडे और 4 टी20 इंटरनेशनल में दक्षिण अफ्रीका का सामना करना है, लेकिन

पूरा दौरा एक सप्ताह के लिए स्थगित हो सकता है क्योंकि बीसीसीआई ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका को इसे पोस्टपॉन करने को कहा है. कहा जा रहा है कि बीसीसीआई यह नए कोविड-19 ओमिक्रोन के खतरे पर चर्चा करने के लिए और समय चाहता है. विराट बोले- दौरे के बारे में जल्द पता चल जाएगा दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे पर बोलते हुए विराट कोहली ने कहा, ह्वयह काफी स्वाभाविक है. हम सामान्य समय में नहीं खेल रहे हैं. बहुत सारी बातचीत हुई है. हमने सभी सीनियर खिलाड़ियों से बात की है और राहुल भाई (राहुल द्रविड़) ने हमें लूप में रखा है. हम लोग इस पर बात करते रहे हैं. यह जरूरी है कि हम किसी कन्फ्यूजन में नहीं रहें. हमें दौरे के बारे में एक या दो दिन में पता चल जाना चाहिए. हम सभी एक समान लक्ष्य की दिशा में कड़ी मेहनत कर रहे हैं .

कांग्रेस ने भी खोला ममता के खिलाफ मोर्चा

बालासाहेब थोराट बोले- राहुल की आलोचना कर BJP से नहीं लड़ सकते

मुंबई : कांग्रेस नेतृत्व और पार्टी नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करने को लेकर तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर पलटवार करते हुए कांग्रेस ने कहा कि वह राजनीतिक पार्टी जो सिर्फ अपने बारे में सोचती है वह भाजपा को नहीं हरा सकती. कांग्रेस ने यह भी कहा कि ऐसा प्रदर्शन अनुपयोगी साबित होगा और यह केंद्र की बीजेपी सरकार की मदद करेगा. इससे पहले ममता ने राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहा था ह्वआप ज्यादातर समय विदेश में नहीं रह सकते हैं. नागरिक समूह के सदस्यों के साथ बातचीत के दौरान बनर्जी ने दावा किया कि उन्होंने विपक्ष को दिशा दिखाने के लिए सिविल सोसायटी के प्रतिष्ठित लोगों की एक सलाहकार समिति गठित करने की सलाह कांग्रेस को दी थी, लेकिन यह योजना परवान नहीं चढ़ी. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार से दिन में मुलाकात के दौरान बनर्जी ने कहा कि अब वढअ नहीं है. उधर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा है कि क्या ममता बनर्जी को नहीं पता वढअ क्या है? ममता बनर्जी को लगा कि पूरा भारत ममता ममता करना शुरू कर दिया है. भारत का मतलब बंगाल नहीं है और बंगाल का मतलब भारत नहीं है. बंगाल में ममता बनर्जी और भाजपा ने जो सांप्रदायिक खेल खेला था, वह अब उजागर हो रहा है.

बनर्जी का नाम लिए बगैर उनपर पलटवार करते हुए कांग्रेस विधायक दल के नेता और महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट ने कहा कि कांग्रेस ने बीजेपी और केन्द्र सरकार के ह्यअत्याचारह्ल के खिलाफ जो लड़ाई शुरू की है उसे पूरा देश जानता है. उन्होंने एक बयान में कहा, ह्यराहुल गांधी की प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आलोचना करके कोई भी पार्टी बीजेपी के खिलाफ नहीं लड़ सकती है, खास तौर से अगर वह अपने राजनीतिक फायदों और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के बारे में सोच रही है तो. कांग्रेस देश और लोकतंत्र के लिए एकमात्र विकल्प है. थोराट ने कहा कि कांग्रेस ने निडर होकर पिछले सात साल से राहुल गांधी के नेतृत्व में बीजेपी का मुकाबला किया है. उन्होंने कहा, ह्यबीजेपी और अन्य दलों ने उनपर (राहुल) और उनके परिवार के खिलाफ निजी हमले किए हैं. उनकी छवि खराब करने के लिए अभियान चलाए गए, लेकिन राहुल गांधी पीछे नहीं हटे.

इससे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार से यहां मुलाकात की और कांग्रेस नेतृत्व पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की बात कही. ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा- अब यूपीए जैसा कुछ नहीं है और ज्यादातर समय विदेश में रह कर कोई कुछ भी हासिल नहीं कर सकता है, वहीं, पवार ने कहा कि वर्तमान में नेतृत्व कोई मुद्दा नहीं है और बीजेपी के खिलाफ लड़ाई में समान विचार रखने वाली सभी पार्टियों का स्वागत है. इससे पहले सिविल सोसायटीके सदस्यों के साथ बातचीत में बनर्जी ने दावा किया कि विपक्ष को दिशा दिखाने के लिए सिविल सोसायटी के प्रतिष्ठित लोगों की एक सलाहकार समिति गठित करने की सलाह उन्होंने कांग्रेस को दी थी, लेकिन यह योजना परवान नहीं चढ़ी. यहां सिविल सोसायटी के लोगों के साथ बातचीत में बनर्जी ने कहा कि अगर सभी क्षेत्रीय पार्टियां साथ आ गईं तो बीजेपी को हराना आसान होगा. उन्होंने कहा, ह्यहम कहना चाहते हैं, बीजेपी हटाओ, देश बचाओ.बनर्जी ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने उम्मीदवार नहीं उतारेगी. तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के संबंध में आयी दूरी की पृष्ठभूमि में बनर्जी शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेताओं से मिलने मुंबई की तीन दिवसीय यात्रा पर आयीं हैं.

शाह रुख खान की राजनीतिक बलि दी गई, मुंबई में बोलीं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

मुंबई। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को मुंबई में चुनिंदा लोगों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि शाह रुख खान की राजनीतिक बलि दी गई है। बता दें कि दो अक्टूबर को शाह रुख खान के पुत्र आर्यन खान को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की एक कार्रवाई में मुंबई से गोवा जा रहे क्रूज कार्डेलिया से उनके कुछ साथियों के साथ गिरफ्तार किया गया था।

करीब 28 दिन बाद उन्हें जमानत मिल पाई। ममता ने उस घटना को राजनीतिक रंग देते हुए कहा कि शाह रुख की राजनीतिक बलि दी गई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवालाा के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net